अग्नि प्राइम

हाल ही में रक्षा **अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)** ने स्वदेशी रूप से विकसित **नई पीढ़ी की मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल** अग्नि प्राइम (Agni-P) का ओडिशा तट पर स्थित **ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** द्वीप से सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

अग्नि प्राइम के विषय में:

- यह दो चरणों वाली कनस्तरीकृत मिसाइल है।
- यह **एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** (Integrated Guided Missile Development Program- IGMDP) के तहत विकसित अग्नि शृंखला के मिसाइलों का नवीनतम और छठा संस्करण है।
- स्वतंत्र रूप से लक्षित विविध पुन: प्रवेश वाहनों के साथ यह मिसाइल 1,000 - 2,000 किमी की दूरी पर अलग-अलग स्थानों पर **विभिन्न युद्धक सामग्रियों/आयुध को पहुँचाने में सक्षम** है।
- 1.2 मीटर व्यास तथा 10.5 मीटर लंबाई की यह मिसाइल **1.5 टन तक आयुध ले जा सकती** है।
- कुछ उपयोगकर्त्ता संबद्ध प्रक्षेपणों के बाद इन मिसाइलों को सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा।
- इसमें दोहरी नेविगेशन और मार्गदर्शन प्रणाली है।
- अग्नि-पी मिसाइल भविष्य में भारत की विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को और मज़बूत करेगी।

अन्य अग्नि मिसाइलें:

- वे भारत की परमाणु प्रक्षेपण क्षमता का मुख्य आधार हैं।
- अग्नि मिसाइलों की अन्य रेंज:
    - **अग्नि I:** 700-800 किमी. की सीमा।
    - **अग्नि II:** रेंज 2000 किमी. से अधिक।
    - **अग्नि III:** 2,500 किमी. से अधिक की सीमा
    - **अग्नि IV:** इसकी रेंज 3,500 किमी. से अधिक है और यह एक रोड मोबाइल लॉन्चर से फायर कर सकती है।
    - **अग्नि V:** अग्नि शृंखला की सबसे लंबी, एक अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है जिसकी रेंज 5,000 किमी. से अधिक है।

एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP):

- इसकी स्थापना का विचार प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा दिया गया था। इसका उद्देश्य मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना था। इसे वर्ष 1983 में शुरू किया गया था और मार्च 2012 में पूरा किया गया था।
- इस कार्यक्रम के तहत विकसित 5 मिसाइलें (P-A-T-N-A) हैं:
    - **पृथ्वी:** सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइल।
    - **अग्नि:** सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइल, यानी अग्नि (1,2,3,4,5)।
    - **त्रिशूल:** सतह से आकाश में मार करने में सक्षम कम दूरी वाली मिसाइल।
    - **नाग:** तीसरी पीढ़ी की टैंक भेदी मिसाइल।
    - **आकाश:** सतह से आकाश में मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली मिसाइल।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. अग्नि-IV मिसाइल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (2014)

1. यह सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।
2. यह केवल तरल प्रणोदक द्वारा संचालित होती है।
3. यह लगभग 7500 किमी. दूरी तक एक टन परमाणु आयुध पहुँचाने में सक्षम है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

- अग्नि- IV भारत की परमाणु-संपन्न लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 4,000 किमी. है।
- स्वदेश निर्मित अग्नि- IV सतह से सतह पर मार करने वाली दो चरणों वाली मिसाइल है। यह 17 टन वज़न के साथ 20 मीटर लंबी है **अतः कथन 1 सही है।**
- यह दो चरणों वाली ठोस ईंधन प्रणाली है जो एक टन के परमाणु हथियार को 4,000 किलोमीटर की दूरी तक ले जा सकती है **अत: कथन 2 और 3 सही नहीं हैं।**
- **अत: विकल्प (a) सही उत्तर है।**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agni-prime